बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि ५ दिसम्बर १९६० को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ ।

श्री दीप नारायण सिंह—महाशय, मैं द्वितीय बिहार विधान-सभा के सप्तम् सत्र (फरवरी, जून, १९६०) के शेष ५०१ प्रश्नों में से १५७ प्रश्नों के उत्तर सभा की मेज पर रखता हूं । शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायेंगे ।

सूची ।

क्रम सं० ।	सदस्य का नाम ।	प्रश्न संख्या ।
१	श्री सभापति सिंह	७८, ११५, ११७, १२०, १३६, १९३, २२० ।
२	श्री हरि चरण सोय	७९, १३०, १८९, १९०, २०३, २१२ ।
३	श्री रसिक लाल यादव	८०, १०३ ।
४	श्री सुपाई मुर्मु	८१, ९९, १०९, १०२, १३१, १३२, १५२, १७२, १९५, १९९, २०८, २११, २१४ ।
५	श्री देवनन्दन प्रसाद	८२, ८५, १०६, १५८, २२८ ।

(२) क्या यह बात सही है कि बैल की बीमारी के बाद उनके रिस्तेदार ग्राम जलपरवा निवासी श्री सुदिष्ट्र सिंह प्रखंड के डाक्टर को बुलाने गये, यदि हां तो क्या डाक्टर यह कह कर नहीं गये कि प्रखंड पदाधिकारी छुट्टी नहीं दे रहे हैं;

(३) क्या सुदिष्ट्र सिंह ने वी० डी० ओ० साहब से डाक्टर को भेजने के लिये आग्रह किया था, यदि हां तो क्या बी० डी०ओ० ने अभद्रतापूर्वक व्यवहार करते हुए जवाब दिया कि डाक्टर नहीं जायेंगे ;

(४) क्या यह बात सही है कि दवा के अभाव में उस बैल की मृत्यु हो गयी ;

(५) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो बी०डी० ओ० के इस व्यवहार के लिये सरकार कौनसी कार्रवाई करने को सोचती है ?

डा० श्री कृष्ण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) श्री सुदिष्ट्र सिंह गोरिया प्रखंड के पशुपालन पर्यवेक्षक को बुलाने के लिये गये थे यह बात सही है। पर्यवेक्षक ने उनसे कहा कि इनको आज छतौली उप-केन्द्र परिदर्शन के लिया जाना निश्चित है अतः वे बिना प्रखंड पदाधिकारी के विशेष अनुमति से व्यक्तिगत बुलावा पर किसी खास गांव में नहीं जा सकते हैं। पर्यवेक्षक ने उक्त व्यक्ति से बीमारी के लक्षणों का विवरण देने के लिये कहा जिससे कुछ दवा दी जा सके परन्तु उन्होंने लक्षण बताने से इनकार किया तथा प्र० प० के निवास स्थान पर उनकी अनुमति लेने के लिये चले गये।

(३) श्री सुदिष्ट्र सिंह प्र० प० के निवास स्थान पर पशुपालन पर्यवेक्षक को ले जाने के लिये अनुमति लेने के लिये गये थे। चपरासी द्वारा उक्त व्यक्ति ने प्र० प० को भेंट करने की सूचना दी। प्र० प० ने उनको कुछ देर ठहरने के लिये कहा परन्तु वह बिना प्रतीक्षा किये चपरासी को यह कहकर चले गये कि वी० डी० ओ० साहब से कह देना कि वे जगदीशपुर गांव में पशुपालन पर्यवेक्षक को भेज दें। प्रखंड पदाधिकारी ने कार्यालय जाने पर पर्यवेक्षक को खोज की परन्तु वे तबतक उपकेन्द्र परिदर्शन के लिये चले गये थे। तब प्रखंड पदाधिकारी ने एक मैसेनजर को पर्यवेक्षक के पास यह अनुदेश देकर भेजा कि वे जगदीशपुर गांव होते हुए जांय तथा यदि बैल की हालत खराब हो तो पर्यवेक्षक को उक्त गांव जाकर बैल को देखने के लिये कहें। लेकिन जब उक्त मैसेनजर उस गांव में गया तो देखा कि बैल मर चुका है।

(४) उपरोक्त परिस्थिति के अनुसार यह सही नहीं है कि पर्यवेक्षक की अवहेलना से बैल की मृत्यु हुई।

(५) प्रश्न ही नहीं उठता।

REPAIR OF TANKS.

187. **Shri S. K. BAGE** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that there are ancient tanks at Brahmdevta near Rohtas Fort in the hilly tracts, P.-S. Rohtas which has never been repaired;

(2) whether the tanks have been badly destroyed, do Government propose to repair it, if so when and if not, reasons therefor ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) रोहतास फोर्ट के नजदीक ब्रह्मदेवता में तीन तालाब है जो खास महाल के अन्तर्गत है। इनमें १ सिचाई के काम में आता है। इसकी मरम्मत १९४६-४७ में हुई थी।

(२) ये तालाब विनष्ट नहीं हुये हैं, बल्कि अपनी मौलिक दशा में हैं।

उनको मरम्मत करने की कार्रवाई की जा रही है।

CONSTRUCTION OF THE BUILDING.

188. Shri KARPOORI THAKUR : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether the construction of N. E. S. Block building of Rohtas south at village Nauhatta in district of Shahabad has been in progress for last two years ;

(2) whether the construction work of the aforesaid buildings has every now and then been stopped and delayed, if so, the reasons thereof ;

(3) do Government propose to complete the building work of the said block before the next rainy season and shift the block office in its own building, if not why ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) राष्ट्रीय विस्तार सेवा खंड रोहतास दक्षिण (नौहट्टा) के प्रखंड भवनों का निर्माण कार्य पिछले एक वर्ष नव महीने से चल रहा है।

(२) भवन निर्माण कार्य कभी रुका तो नहीं है, परन्तु इसकी प्रगति धीमी अवश्य है। धीमी प्रगति के अनेक कारण हैं। प्रथमतः इस प्रखंड को सुलभ यातायात के साधन उपलब्ध नहीं है न अच्छे सड़क ही है और न नजदीक में रेलवे स्टेशन ही है जिससे भवन निर्माण सामग्री को निर्माण कार्य स्थान में ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कार्य को जल्द पूरा किया जा सके इस संबंध में उचित कारवाई की जा रही है।

(३) जैसा कि प्रश्न (२) के उत्तर से ज्ञातव्य है कि निर्माण कार्य के पूर्ण होने में कठिनाईयों का अनुभव किया जा रहा है। अतः आगामी वर्षा ऋतु तक निर्माण कार्य पूर्ण करने की कोशिश की जा रही है। जैसे ऑफिस का मकान तैयार हो जायगा, और ऑफिस इसी मकान में होने लगेगी।